Sc-101, SEM-1, BY-DR. SHYAM BIHARI CHOUDHARY

TOPIC- REALISM (यथार्थवाद)

Date 23.04.21
(1) Page

2. **यथार्थवाद (Realism)** - TOPIC

यथार्थवाद शब्द अंग्रेजी के रीयलिज्म (Realism) शब्द का रूपान्तर है। रीयल (Real) शब्द ~~का अर्थ है~~ ग्रीक भाषा के रेस (Res) से बना है जिसका अर्थ है - वस्तु। अत: रीयल (Real) शब्द का अर्थ हुआ - वस्तु सम्बन्धी। इस प्रकार रीयलिज्म (Realism) अर्थात् यथार्थवाद वस्तु के अस्तित्व सम्बन्धी विचारों के प्रति एक दृष्टिकोण है जिसके अनुसार संसार की वस्तुएँ यथार्थ हैं। इस विचारधारा के समर्थकों का मत है कि केवल इन्द्रियों द्वारा प्राप्त ज्ञान ही सत्य है। अत: जो कुछ हमारे सामने है तथा जो कुछ भी हमें दिखाई देता है वही सत्य है।

यथार्थवाद की परिभाषा :-

According to Swami Ramtirth- "यथार्थवाद का अर्थ उस विश्वास अथवा सिद्धान्त से है जो संसार को वैसा ही मानता है जैसा वह हमें दिखाई देता है अर्थात् संसार एक प्रपंचमात्र है।"

According to J.S. Ross- "यथार्थवाद यह स्वीकार करता है कि जो कुछ हम प्रत्यक्ष में अनुभव करते हैं, उनके पीछे तथा मिलता-जुलता वस्तुओं का एक यथार्थ जगत् है।"

यथार्थवाद के प्रमुख सिद्धान्त :- (Fundamental Principles of Realism)

यथार्थवाद के प्रमुख सिद्धान्त

यथार्थवाद के प्रमुख सिद्धान्त हैं :-

1. **प्रत्यक्ष जगत सत्य है** (Phenomenonal World is true)
प्रत्यक्ष जगत सत्य है

यथार्थवादी पदार्थ को सत्य एवं वास्तविक मानते हैं। अत: इस वाद के अनुसार केवल प्रत्यक्ष जगत् ही सत्य है अथवा यथार्थ है। यथार्थवादियों का दावा है कि इस जगत् से अन्य कोई और जगत् नहीं है।

2. ज्ञानेन्द्रियाँ ज्ञान के द्वार हैं (Senses are the Doors of Knowledge)

यथार्थवाद के अनुसार ज्ञानेन्द्रियाँ ज्ञान के द्वार है। इन ज्ञानेन्द्रियों तथा वस्तुओं के सम्पर्क द्वारा हमें जो भी संवेदना

mental
human
skills

Sc-101, SEM-1, BY-DR. SHYAM BIHARI CHOUDHARY

TOPIC- REALISM (यथार्थवाद)

Date 23.04.21

2. यथार्थवाद (Realism) :- TOPIC

यथार्थवाद शब्द अंग्रेजी के रीयलिज्म (Realism) शब्द का रूपान्तर है। रीयल (Real) शब्द ~~का अर्थ है~~ ग्रीक भाषा के रेस (Res) से बना है जिसका अर्थ है - वस्तु। अतः रीयल (Real) शब्द का अर्थ हुआ - वस्तु सम्बन्धी। इस प्रकार रीयलिज्म (Realism) अर्थात् यथार्थवाद वस्तु के अस्तित्व सम्बन्धी विचारों के प्रति एक दृष्टिकोण है जिसके अनुसार संसार की वस्तुएँ यथार्थ है। इस विचारधारा के समर्थकों का मत है कि केवल इन्द्रियों द्वारा प्राप्त ज्ञान ही सत्य है। अतः जो कुछ हमारे सामने है तथा जो कुछ भी हमें दिखाई देता है वही सत्य है।

~~यथार्थवाद की परिभाषा~~ :-

According to Swami Ramtirth - "यथार्थवाद का अर्थ उस विश्वास अथवा सिद्धान्त से है जो संसार को वैसा ही मानता है जैसा वह हमें दिखाई देता है अर्थात् संसार एक प्रपंचमात्र है।"

According to J.S. Ross - "यथार्थवाद यह स्वीकार करता है कि जो कुछ हम प्रत्यक्ष में अनुभव करते हैं, उनके पीछे तथा मिलता-जुलता वस्तुओं का एक यथार्थ जगत् है।"

~~यथार्थवाद के मुख्य सिद्धान्त~~ :- (Fundamental Principles of Realism)

यथार्थवाद के प्रमुख सिद्धान्त

यथार्थवाद के प्रमुख सिद्धान्त हैं :-

1. ~~प्रत्यक्ष जगत सत्य है~~ (Phenomenal World is true)

प्रत्यक्ष जगत सत्य है

यथार्थवादी पदार्थ को सत्य एवं वास्तविक मानते हैं। अतः इस वाद के अनुसार केवल प्रत्यक्ष जगत ही सत्य है अथवा यथार्थ है। यथार्थवादियों का दावा है कि इस जगत से अलग कोई और जगत नहीं है।

2. ज्ञानेन्द्रियाँ ज्ञान के द्वार हैं (Senses are the Doors of Knowledge)

यथार्थवाद के अनुसार ज्ञानेन्द्रियाँ ज्ञान के द्वार हैं। इन ज्ञानेन्द्रियों तथा वस्तुओं के सम्पर्क द्वारा हमें जो भी ज्ञान